दोस्त की मां और बहन की चुदाई

कैसे हैं आप सब। यह मेरी दूसरी कहानी है। मेरी पहली कहानी 'एवन' नाम से थी जिसमें मैंने अपनी मौसी और योगिता की जमकर चुदाई की थी। उम्मीद है आप सभी ने उसे बहुत पसंद किया होगा। अब मैं अपनी दूसरी कहानी शुरू करता हूं।

मेरे एक दोस्त का नाम दीपक है। उसकी एक बड़ी बहन है जो कि बहुत खूबसूरत है और उसकी मां भी बहुत सुंदर दिखती है। मेरे लंड में बहुत खुजली हो रही थी। मैं तो बस किसी न किसी को चोदना चाहता था। एक दिन मैं दीपक के घर गया । वह घर पर नहीं था । केवल उसकी बहन और उसकी मां थी। घर जाने पर उसकी बहन सोनम ने हैलो किया। उसे किसी काम से बाहर जाना था। वह मुझसे बोली कि मैं घर से बाहर जा रही हूं और मम्मी नहा रही हैं। घर पर कोई नहीं है इसलिये तुम यही रुको मैं एक घंटे में आती हूं। मम्मी कुछ मांगे तो दे देना। ऐसा कहकर सोनम चली गई। मैं घर के ड्राईंग हॉल में बैठा था। तभी अंदर से मम्मी की आवाज आई। सोनम, मुझे हरा वाला टॉवेल दे दे। मेरी समझ में नहीं आया कि क्या करूं। फिर भी मैंने हिम्मत करके हरा टॉवेल उनको बाथरूम में देने चला गया। मैंने दरवाजा खटखटाया। उन्होंने सिर्फ हाथ बढाकर टॉवेल ले लिया और दरवाजा बंद कर लिया। उन्हें यह नहीं मालूम था कि सोनम नहीं है। मेरा दिल जोरों से धड़कने लगा। मैंने दरवाजे के छेद से अंदर झांका तो मैं मस्त हो गया। अंदर आंटी बिल्कुल नंगी खड़ी अपना बदन पौंछ रही थी। आंटी थोड़ी मोटी हैं, लेकिन फिर भी बहुत मस्त हैं।

उन्हें नंगा देखकर मैं पागल हो रहा था। मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि आंटी को किस प्रकार से चौदूं। तभी आंटी के चीखने की आवाज आई। मैंने पूछा क्या हुआ आंटी। आंटी बोली – बेटा मैं फिसल गई हूं, सोनम कहां है? मैंने कहा कि वो तो एक घंटे के लिये बाहर गई है और मुझे यहां बैठा गई। आंटी ने कहा बेटा दरवाजा खोलकर मुझे उठा दो। मुझसे उठा भी नही जा रहा है। यह सुनकर मैंने दरवाजा खोलकर देखा तो आंटी केवल ब्रा और पैंटी में थी। मैंने जल्दी से उनकी कमर को पकड़कर उन्हें उठाया और उनके बेडरूम में ले जाकर बैठा दिया। मैं उनको बड़ी गौर से देख रहा था आंटी समझ गई। वो बोली क्या देख रहे हो बेटा। मैंने कहा आंटी आप कितनी गोरी, चिट्टी और सुंदर हो। आप तो सोनम की बड़ी बहन लगती हो। यह सुनकर आंटी हंसने लगीं। वो बोली चल बदमाश। तुझे क्या मैं इतनी अच्छी लगती हूं? मैंने कहा हां आंटी आप तो बहुत सुंदर हो। यदि मेरा बस चलता तो आपसे ही शादी कर लेता। यह सुनकर आंटी खुश हो गई। फिर बोली मुझसे तो उठा भी नहीं जा रहा है। मैंने सोचा यह अच्छा मौका है। यदि मौका गंवा दिया तो फिर चांस नहीं मिलने वाला। मैंने आंटी से तुरंत कहा आंटी मैं अभी आपको चलने फिरने लायक बना दूंगा। सरसों के तेल से मसाज करूंगा तो बिल्कुल ठीक हो जाओगी। यह सुनकर आंटी बोली हाय तुझे मेरी मसाज करते हुए शर्म नहीं आयेगी। मैंने कहा आपके लिये तो इतना कर सकता हूं न।

फिर आंटी ने कहा ठीक है कर दे। जब तूने इतना देख ही लिया है तो मसाज भी कर दे अपनी आंटी की। यह सुनकर मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैंने सरसों के तेल की शीशी ली और आंटी की मसाज करने लगा। सबसे पहले मैंने उनकी पीठ पर तेल लगाया। उनकी गोरी चिकनी पीठ पर तेल लगाते ही मेरा लौड़ा खड़ा हो गया। मैं बड़े प्यार से पीठ की मसाज करने लगा। मसाज करते करते मैं अपना हाथ धीरे से उनकी कमर से पेट पर और उनके बूब्स पर भी फेरता रहा। उन्हें भी अच्छा लग रहा था। मैंने कहा आंटी आपकी सफेद ब्रा तेल से खराब हो जायेगी। इसे उतार दूं क्या? आंटी बोली तू तो मुझे पूरी नंगी करके छोड़ेगा। चल उतार दे। मैंने उनकी ब्रा खोल दी और पीठ की मालिश करते करते उनके बूब्स पर भी मसाज करने लगा। वे कुछ नहीं बोली। धीरे धीरे मेरे हाथ उनकी गांड पर भी मसाज करने लगे। उन्हें भी मस्ती आ रही थी और वह मेरे साथ खुलकर बात करने लगी। मैंने उनसे पैंटी खोलने को कहा तो उन्होंने मना नहीं किया। अब वह पूरी नंगी होकर बिस्तर पर लेट गई। मैंने उनके पूरे शरीर पर अच्छी मसाज कर दी।

मसाज करने के बाद बोली वाह यार तू तो बड़ी अच्छी मसाज करता है। मेरे पूरे बदन में फुर्ती आ गई

है। मैं बोला आंटी आपके लिये तो कुछ भी कर सकता हूं। आंटी बोली अच्छा मादरचोद मेरी गांड भी मार सकता है क्या? यह सुनते ही मुझे और मस्ती आ गई। मैंने कहा आपकी गांड है ही इतनी प्यारी। यह सुनकर हंसी और बोली चल ठीक हैं अब ये समझ ले कि तू एक मादरचोद हरामी है और मैं तेरी रखैल हूं। यह सोचकर मुझे चोद दे। मैं बोला आंटी तुम तो चालू हो। अब तो तुमको ऐसा चोदुंगा कि तुम अपने पति से चुदवाना भूल जाओगी। यह सुनकर आंटी फटाक से बोली तो आजा भडुवे जल्दी से चोद दे मुझे। अब तो आंटी सिर्फ मेरी हो गई थी ।

मैंने अपने कपड़े उतार दिये। अब हम दोनो पूरे नंगे थे। आंटी बिस्तर पर लेटी थी। मैं आंटी के ऊपर चढ़ा और उनके होंठों को अपने मुंह में लेकर चूसने लगा। वह भी मेरी पीठ पर हाथ फिराते हुए पूरा साथ दे रही थी। पांच मिनट होंठों का रस चूसने के बाद मैंने उनकी गर्दन पर फिर उनकी ब्राउन कलर की निप्पलस को चूसने लगा। वह कराहने लगी। मैं ओर जोरों से चूसने लगा। धीरे धीरे मैंने उनके पूरे शरीर पर किस किया। अब मैंने उनकी गुलाबी चूत जिस पर एक भी बाल नहीं था मुंह डालकर चूसना चालू किया। वह सिसकियां भरने लगी। फिर हम दोनो 69 की पोजीशन में लेट गये। वह मेरे लंड को मुंह में लेकर चूसने लगी और उसकी चूत मेरे मुंह में थी। पांच मिनट में वह झड़ चुकी थी। 10 मिनट बाद मैं भी झड गया और सारी मलाई आंटी के मुंह में डाल दी। आंटी चटोरी की तरह उसे चाट गई। अब मैंने स्पीड में उनके होंठों और गर्दन पर किस करना चालू कर दिया। वह मेरे लौड़े को हाथ से दबा दबाकर फिर बड़ा करने का प्रयास कर रही थी। उसने लौड़े को फिर से मुंह में लेकर चूसना चालू किया। मेरा लौड़ा फिर से तन गया। मैंने आंटी को ठीक से लिटाया और उनकी टांगे फैलाकर अपने लंड को उसकी चूत पर टिकाकर धक्का दिया। एक ही वार में लौड़ा उसकी चूत के अंदर चला गया। मैं धीरे धीरे अंदर बाहर करने लगा। आंटी मेरी पीठ पर अपने हाथ फिराकर चुदाई के पूरे मजे ले रही थी । कुछ देर बाद मैंने स्पीड बढ़ा दी। आंटी के मुंह से आहहहहहहहहहहहहहह आहहहहहहहहहह की आवाजें तेज हो गई। मैंने आंटी की कमर में हाथ डाला और स्पीड बढ़ाकर तेज शॉट मारते हुए चोदने लगा। आंटी की चीख निकल पडी। आहहहहहहहह आहहहहहहहहहहहहहह फाड़ डालो मेरी चूत को । आहहहहहहहहहहहहहह आहहहहहहहहहह। 15 मिनट बाद मैंने अपनी मलाई उसकी चूत में डाल दी। वह इस दौरान 3 बार झड़ चुकी थी। मैं आंटी के उपर ही लेट गया ।

तभी अचानक दरवाजा खुला और सोनम अंदर आ गई। हम दोनो बूरी तरह चौंक गये। सोनम चिल्लाई तो मेरे पीठ पीछे तुम दोनो यह काम करते हो। मैं बोला नहीं सोनम ये सिर्फ आज ही हुआ है। अब मैं कभी नहीं करूंगा। सोनम बोली तू चूप कर मादरचोद। मेरी मां को चोदकर मुंहजोरी कर रहा है। मैं सबको बता दूंगी। मैं तो डर गया। आंटी ने कहा सोनम अब गलती हो गई है हमें माफ कर दो। सोनम बोली एक शर्त पर माफ कर सकती हूं। हमने पूछा कौन सी शर्त पर? सोनम धीरे से मुस्कुराई और बोली तुमको मुझे भी चोदना पड़ेगा। मैं बहुत देर से तुम्हारा यह खेल देखकर बहुत गरम हो गई हूं। यह सुनकर हम दोनो ही सकपका गये। आंटी बोली वाह सोनम तू तो मेरी भी मां निकली। मां ने चूदाई अब बेटी भी उसके सामने चुदायेगी। सोनम बोली आप दोनो तैयार हैं या नहीं। हम तीनों एक साथ चोदा चोदी के लिये तैयार हो गये।

मैंने सोनम को बाहों में जकड़ा और उसके होंठों को बेदर्दी से चूसने लगा। एक हाथ उसके कपड़ों को खोलने में लगा था। अब वह केवल ब्रा और पैंटी में ही थी। किस करते करते मैंने ब्रा भी खोल दी और उसके चूचियों को मसला और चूसने लगा। सोनम के बूब्स आंटी के आधे ही थे फिर भी बहुत मस्त थे। मैंने उसकी पैंटी खोली और उसकी चूत में उगली डाल दी। वह सिसकार उठी। सोनम को पकड़कर मैंने बिस्तर पर लिटाया और उसके मुह में लौड़े को डाल दिया। वह लॉलीपॉप की तरह चूसने लगी। इधर आंटी मेरे होंठो को चूसने लगी और उसका एक हाथ सोनम के बूब्स को दबा रहा था। सोनम ने भी हाथ ऊपर कर आंटी के बूब्स दबाने चालू कर दिये। फिर मैंने फुर्ती दिखाई और सोनम की टांग चौड़ी करके उसकी चूत में लंड को जोर से धक्का दिया। वह जोर से चीख पडी। आंटी बोली – मार डालेगा क्या मेरी बेटी को। वह पहली बार कर रही है । उसकी चूत बहुत टाईट है। यह सरसों को तेल लगा और धीरे धीरे प्यार से चोद उसको। आंटी ने सरसों

को तेल लेकर मेरे लंड पर चुपड़ दिया और सोनम की चूत में भी। मैंने फिर एक शॉट लगाया। आधा लंड चूत के अंदर चला गया। तीन–चार शॉट में पूरा लंड अंदर चला गया और मैं उसको अंदर बाहर करने लगा। सोनम को दर्द हो रहा था पर अब उसे मजा आने लगा था । मैंने अपनी स्पीड बढ़ाई। टाईट चूत को चोदने में मुझे बहुत मजा आ रहा था। इस मजे को मैं शब्दों में नहीं बता सकता। 10 मिनट में 2 बार झड़ गई। मैंने अपने स्पीड फिर तेज करी और कुछ देर में मैं झड़ने वाला था। मैंने अपना लंड उसकी चूत में से बाहर निकाला और सोनम के मुंह में दे दिया और सारी मलाई सोनम के मुंह में डाल दी। सोनम सारी मलाई चाट गई। कुछ देर हम तीनो आपस में चिपक कर पड़े रह । सोनम ने बताया कि उसने पहले एक बार ककड़ी को चूत में डाला था तब उसने ककड़ी को थोड़ा जोर से अंदर धक्का दिया था तो ब्लड भी निकला था। उसके बाद मैं कुछ भी करने से डरती थी और डर के मारे किसी को नहीं बताया पर आज तुम दोनो को सेक्स करते देखा तो मैं बेकाबू हो गई ।

इसके बाद हम तीनो एक साथ नहाने चले गये। नहाते हुए मैंने आंटी और सोनम से बोला कि अभी तो तुम दोनो की गांड में भी लंड डालना है। आंटी बोली अभी दीपक आता ही होगा। हम तुझे फिर कभी फोन करके बुला लेंगे। तब जी भरकर हमारी गांड मार लेना। नहाने के बाद मैं वापस अपने घर चला गया और उनकी गांड मारने के ख्यालों में खो गया।

दोस्तों, आपको यह कहानी कैसी लगी? मेरे ईमेल Urfanah@yahoo.co.in पर मेल करके जरूर बताईयेगा ।